

Progressive Taxation

Q What are the difficulties in adopting progressive taxation in underdeveloped countries? Are these difficulties real?

विकसित तथा अर्धविकसित देशों में कर प्रणाली में किस प्रकार के कर को अपनाया जाए, यह एक विवाद का विषय आज भी है।

19 वीं शताब्दी में प्रगतिशील करों की अपेक्षा आनुपातिक करों का ही अर्थशास्त्रियों ने समर्थन दिया था।

फ्रांस की क्रांति के समर्थकों ने भी आनुपातिक कर को ही अच्छा माना था। 19 वीं शताब्दी में आय रंग रंग के असमान वितरण की समस्या विकर नहीं थी। किन्तु औद्योगिक क्रांति के प्रभाव में उत्पादन बढ़ा और वितरण की समस्या महत्वपूर्ण होने लगी। 19 वीं शताब्दी में उत्पादन की समस्या को लेकर आनुपातिक कर को अच्छा माना गया।

20 वीं शताब्दी में उत्पादन की समस्या से व्यापक महत्वपूर्ण वितरण की समस्या हो गयी। विश्व के व्यापकांश देशों में प्रगतिशील कर को कल्पना का आकार बनाया गया। Philip E. Taylor ने इस संदर्भ में लिखा है - It makes redistribution a major aim of policy, and one may guess that the wide public acceptance of progressive taxation is rather firmly rooted in this view.

प्रगतिशील कर को व्यापक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। Taylor ने तो यहाँ तक लिख दिया है —

"The question has become not whether progression is appropriate in an over all tax system but rather how ~~severe~~ severe a degree of progression is desirable."

प्रगतिशील कर को परिभाषित करने से लिया जा सकता है —

"The tax in which the rate of tax increase as the tax base increases are called progressive taxes."

अगर Tax base में परिवर्तन हो किन्तु किन्तु Tax Rate स्थिर रहे तो इसे Proportional tax कहते हैं। अगर Tax Rate घट जाये जो कि Tax Rate बढ़ता हो तो इसे Regressive tax कहते हैं। अगर कर आंशिक रूप में प्रगतिशील हो तथा अन्य आय वाले करदाता अपनी कर देय योग्यता के अनुसार पूर्णरूप से कर नहीं दे रहे हों तो इसे Depressive tax कहते हैं। प्रगतिशील रूप में

$$\Delta \left(\frac{dR}{dy} \right) = 0 \Rightarrow \text{आनुपातिक कर}$$

$$\Delta \left(\frac{dR}{dy} \right) > 0 \Rightarrow \text{प्रगतिशील कर} \quad (dy > 0)$$

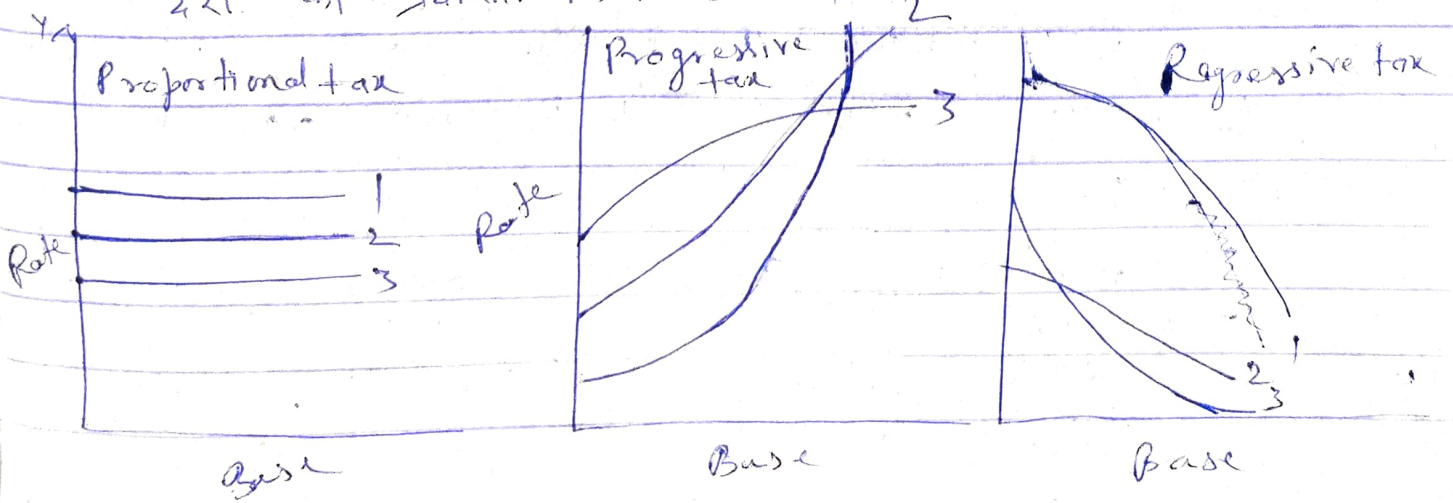
$$\Delta \left(\frac{dR}{dy} \right) < 0 \Rightarrow \text{Progressive tax } (dy < 0)$$

$$\Delta \left(\frac{dR}{dy} \right) \geq 0 \Rightarrow \text{Degressive tax } (dy > 0)$$

R = Tax Rate
 Y = Tax Base
 $\frac{dR}{dy}$ = Marginal Rate of tax

Taylor's formula :- A proportional rate schedule can be established at any level provided the rate remains constant at that level. A progressive rate schedule offers many slope patterns, all of which represent progression so long as any increase in base is accompanied by an increase in that rate. The same is true for regressive, provided the rate decreases when the base increase.

Taylor's formula :-



and contemporary theories of progressive taxation "

में प्रगतिशील कर के पक्ष में दिग्गजों की समान विचारों को 5 भागों में विभाजित किया है -

1. The sacrifice theories
2. The Faculty theories
3. The surplus theories
4. The social importance theories
5. The sociopolitical theories

The Sacrifice theories

प्रगतिशील करों का संकल्पना में करारोपण यह प्रकार से किया जाता है ताकि प्रत्येक करदाता को समान लागू करना पड़े। प्रगतिशीलता के अन्तर्गत निम्नलिखित सिद्धान्त विकसित हुए।

- ① कुल लागू लागत सिद्धान्त
- ② अनुपातिक लागू लागत सिद्धान्त
- ③ सम-समान लागू लागत सिद्धान्त
- ④ निम्नतम लागू सिद्धान्त

J.S. Mill के अनुसार प्रगतिशील करों के लिए करारोपण समान लागू की नीति पर आधारित होना चाहिए। Marshall के अनुसार समान कुल लागू की नीति पर आधारित होना चाहिए। Cohen Stuart ने प्रगतिशील करों के लिए समान अनुपातिक करों की नीति अपनायी है।

Cohen-Stuart's equity criterion के आधार पर degree of progression मापन का निम्नलिखित सूत्र दिया है -

$$P = 100 \left\{ 1 - \left(\frac{M}{Y} \right)^{\frac{u}{100}} \right\}$$

जहाँ

P = मासिक कल का प्रतिशत -

u = करारपत्र से दिये गए उपभोगिता का प्रतिशत

M = निम्नतम जीवन निर्वाह मापन स्तर

Y = आय

इस सूत्र से स्पष्ट है कि उच्च आय के स्तर पर Degree of progression उंचा होगा। कुछ अर्थशास्त्रियों ने समान सीमान्त ल्याग के नीति के आधार पर करारपत्र करने की सलाह दी है। Pigou तथा Edgeworth ने प्रगतिशील कर का लागू करने के लिए निम्नतम ल्याग सिद्धान्त को स्वीकार किया है जिसमें करारपत्र से समान सीमान्त ल्याग की स्थिति उत्पन्न होती है।

ल्याग की कुल ल्याग समता, स्थानुपातिक ल्याग समता तथा सीमान्त ल्याग समता सिद्धान्त का R.A. Musgrave ने निम्नलिखित सूत्रों से एक चित्र से प्रदर्शित किया है -

when - student's equity criterion is met.

or degree of progression with an
Principle of Law is -

$$P = 100 \left\{ 1 - \left(\frac{M}{Y} \right)^{\frac{U}{100}} \right\}$$

where

P = Marks or % obtained

U = marks or % obtained in previous year

M = marks or % obtained in current year

Y = year

So the Law is given as -

or Law of Degree of progression in Law

or Law of Law of Law of Law

or Law of Law of Law of Law

or Law of Law of Law of Law

or Law of Law of Law of Law

or Law of Law of Law of Law

or Law of Law of Law of Law

or Law of Law of Law of Law

or Law of Law of Law of Law

or Law of Law of Law of Law

$$U = U(Y)$$

$$U = U(Y-T)$$

$$U(Y) - U(Y-T) \frac{\partial T}{\partial A} = U(Y) - U(Y-T) \frac{\partial T}{\partial B} = \Delta U$$

$$\frac{U(Y) - U(Y-T) \frac{\partial T}{\partial A}}{U(Y)} = \frac{U(Y) - U(Y-T) \frac{\partial T}{\partial B}}{U(Y)}$$

$$\frac{\Delta U(Y-T)}{\Delta(Y-T)} \frac{\partial T}{\partial A} = \frac{\Delta U(Y-T)}{\Delta(Y-T)} \frac{\partial T}{\partial B}$$

